



एक भाई की वासना -7

“जाहिरा के कपड़े भीग चुके थे, सफ़ेद कमीज गोरे बदन पर चिपक कर काली ब्रा ऐसे दिख रही थी कि शर्ट पहनी ही ना हो। उसके भाई की नजर तो उसके जिस्म पर ही चिपक गई थी। ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)

Posted: Friday, August 14th, 2015

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [एक भाई की वासना -7](#)

एक भाई की वासना -7

हजरात आपने अभी तक पढ़ा..

पानी पीते हुए फैजान की नजरें अपनी बहन के मटकते चूतड़ों और जाँघों पर ही थीं।

मैं हौले-हौले मुस्करा रही थी।

जैसे ही जाहिरा रसोई में जाने लगी.. तो मैंने उसे आवाज़ दे कर रोका और कहा- जाहिरा

मुझे याद आया.. मैंने तो कपड़े धो कर बाहर डाले हुए हैं.. जल्दी से जाओ और इनको

उतार लाओ.. वरना सारे कि सारे भीग जाएंगे।

‘जी भाभीजान..’ कह कर जाहिरा बाहर सहन की तरफ चली गई और अब मैं अपनी स्कीम के मुताबिक हो रहे ड्रामे के अगले हिस्से की मुंतजिर थी।

बाहर तेज बारिश हो रही थी.. गर्मी कि इस मौसम में मेरी ननद जाहिरा अपनी पतली सी कुरती और लेग्गी पहने हुई बाहर से कपड़े उतार रही थी और उसका भाई अन्दर बैठा हुआ था और शायद वो भी मुंतजिर था कि अब उसके सामने क्या नजारा आने वाला है।

अब आगे लुत्फ लें..

क़रीब 5 मिनट बाद जाहिरा कमरे के अन्दर आई तो उफ़फ़.. क्या हॉट मंज़र था.. कपड़े तो वो उतार लाई थी.. लेकिन उसके अपने कपड़े पूरी तरह से भीग चुके थे, सफ़ेद रंग की पतली सी कुरती बिल्कुल भीग कर उसके गोरे-गोरे जिस्म से चिपक चुकी थी, उसका गोरा गोरा बदन कुरती के नीचे से बिल्कुल साफ़ नंगा नज़र आ रहा था, उसकी चूचियों पर पहनी हुई काली रंग की ब्रेजियर भी बिल्कुल साफ़ दिखने लगी थी।

वो ब्रेजियर उसकी चूचियों से चिपक कर ऐसे दिख रही थी.. मानो उसने वो काली ब्रेजियर अपनी शर्ट के ऊपर से ही पहनी हुई हो। उसकी लेग्गी भी थी तो मोटी जर्सी कपड़े की.. मगर वो भी भीग कर और भी उसकी मोटी जाँघों और टाँगों से चिपक चुकी हुई थी।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !
मेरी नज़रें तो उसके जिस्म पर ही चिपक गई थीं।

वो मुड़ कर एक टेबल पर कपड़े रखने लगी.. उसकी कमर हमारी तरफ थी। उसकी कमर पर उसकी ब्रेजियर की स्ट्रेप और हुक बिल्कुल साफ़ नज़र आ रहा था और उसकी कमर भी कमीज़ में से भीगी हुई साफ़ दिख रही थी।

साफ़ पता चल रहा था कि उसका जिस्म किस क़दर गोरा-चिट्टा है।
जाहिरा को इस हालत में देख कर मेरी हालत ऐसी हो रही थी.. तो उसके अपने सगे भाई का हाल तो और भी पतला हो रहा था। उसकी नज़रें अपनी बहन के जिस्म पर से नहीं हट रही थीं और मैंने भी बिना उसको डिस्टर्ब किए.. उसे अपनी बहन के इस तरह नंगे हो रहे जिस्म का नज़ारा करने दिया।

जैसे ही जाहिरा कपड़े रख कर मुड़ी तो फैजान मेरी तरफ देखने लगा और बोला- यार मुझे कोई कपड़े दो पहनने के लिए..
मैंने महसूस किया कि उसकी आवाज़ काँप रही थी।

जाहिरा अपने कमरे की तरफ बढ़ी तो मैंने उससे पूछा- कहाँ जा रही हो ?
वो बोली- भाभी मैं जाहिरा चेंज करके आती हूँ.. पूरे कपड़े भीग गए हैं..

लेकिन मैं उसको इतनी आसानी से जाने दे कर उसके भाई का मज़ा खराब नहीं करना चाहती थी, मुझे उसे इसी हालत में रोके रखना था और उसे रुकने पर मजबूर करना था।

मैंने एक शर्ट पकड़ी और उससे कहा- जाहिरा, तुम जल्दी से अपने भैया की यह शर्ट प्रेस कर दो.. मैं सालन देख लेती हूँ.. चूल्हे पर पड़ा है.. कब से नहीं देखा.. कहीं जल न जाए।
जाहिरा इन्कार करना चाहती थी.. लेकिन फिर अपनी आदत की चलते चुप ही रही। उसने

एक नज़र अपने भैया पर डाली.. जो कि वहीं चेयर पर बैठा.. अब एक मैगजीन देख रहा था.. और फिर जाहिरा टीवी लाउंज के एक कोने में पड़े हुए इस्तती स्टैंड की तरफ बढ़ गई।

मैं रसोई में आ गई ताकि फैजान भी खुल कर अपनी बहन के जिस्म का दीदार कर सके।

जहाँ जाहिरा खड़ी होकर शर्ट प्रेस कर रही थी.. वहाँ पर उसकी पीठ फैजान की तरफ थी। मैं छुप कर दोनों को देख सकती थी.. मैंने बाहर झाँका तो देखा कि फैजान की नज़रें अपनी बहन के जिस्म पर ही थीं और उसका एक हाथ अपने लंड को जीन्स के ऊपर से दबा रहा था।

मैं समझ गई कि अपनी बहन के जिस्म को इस हालत में देख कर वो अपने लंड को खड़ा होने से नहीं रोक पा रहा है।

मैं दिल ही दिल में मुस्करा दी..

इतने में फैजान उठा और एक पजामा उठा कर जाहिरा की तरफ बढ़ा। मैं समझ गई कि अब वो और करीब से अपनी बहन के जिस्म को देखना चाहता है।

पास जाकर उसने वो पजामा भी इस्तरी स्टैंड पर रखा और बोला- जाहिरा इसे भी प्रेस कर दो..

यह कहते हुए उसकी नज़रें अपनी बहन की चूचियों पर थीं.. जो कि गीली सफ़ेद कुरती में काली ब्रेजियर में साफ़ नज़र आ रही थीं।

एक भरपूर नज़र डाल कर फैजान वापिस अपनी जगह पर आकर बैठ गया और जब तक जाहिरा कपड़े प्रेस करती रही.. वो उसके जिस्म को ही देखता रहा।

जैसे ही जाहिरा ने कपड़े प्रेस कर लिए तो अपने भाई से बोली- भाईजान, ले लें.. कपड़े प्रेस हो गए हैं..

अब मुझे पता था कि वो वापिस अपने कमरे में अपनी कपड़े बदलने के लिए जाएगी.. लेकिन मैं उसे रोकना चाहती थी इसलिए जैसे ही उसने अपने कमरे की तरफ कदम बढ़ाए.. तो मैंने उसे आवाज़ दे दी- जाहिरा.. जरा इधर तो आओ रसोई में थोड़ी देर के लिए..

जैसा कि मुझे पता था कि वो मेरी बात को नहीं टालेगी.. वो ही हुआ.. जाहिरा सीधी उसी हालत में मेरे पास रसोई में आ गई।

मैंने उसे थोड़ा सा काम बताया तो वो बोली- भाभी मुझे चेंज कर आने दें..

मैंने उसके जिस्म की तरफ एक नज़र डाली और बहुत ही बेपरवाही से बोली- अरे अब क्या चेंज करना है.. कपड़े तो सूख ही चुके हैं.. अभी कुछ ही देर में पंखे के नीचे बिल्कुल ही खुशक हो जाने हैं.. छोड़ो कपड़ों की फिकर.. तुम जल्दी से सलाद बना लो.. तो फिर हम लोग खाना खाते हैं.. पहले ही बहुत देर हो गई है..

जाहिरा भी थोड़ी सी बेफिकर होकर रसोई के काम में लग गई और मैं दिल ही दिल में अपनी कामयाबी पर मुस्करा दी कि मैं आज एक भाई को उसकी बहन का नंगा जिस्म थोड़ा सा छुपी हुई हालत में दिखाने में कामयाब हो गई हूँ।

मुझे हँसी तो फैजान पर आ रही थी कि कैसे अपनी बहन के नंगी हो रहे जिस्म को देख रहा था।

अब मुझे इस पर हैरत नहीं होती थी.. बल्कि खुशी होती थी और मज़ा भी आता था। मेरा तो बस नहीं चल रहा था कि मैं कब जाहिरा को उसके भाई के सामने बिल्कुल नंगी कर दूँ।

कुछ ही देर मैं हम सब लोग बैठे खाना खा रहे थे। जाहिरा के कपड़े सूख चुके थे.. लेकिन उसकी काली ब्रेजियर अभी भी गीली थी.. जिसकी वजह से वो अब भी साफ़ नज़र आ रही थी। अब जाहिरा को कोई फिकर नहीं थी.. उसे महसूस ही नहीं हो रहा था कि उसका अपना सगा भाई.. अपनी बीवी की मौजूदगी में भी.. उसकी नज़र बचा कर.. उसके जिस्म

और उसकी ब्रेजियर और उसकी चूचियों को देख रहा है।

मेरी नज़रें तो फैजान की हर हरकत पर थीं कि कैसे खाना खाते हुए.. वो अपनी बहन की चूचियों को देख रहा है।

खाना खाने के बाद मुझे गरम लोहे पर एक और वार करने का ख्याल आया और मैंने अपने इस नए आइडिया पर फ़ौरन अमल करने का इरादा कर लिया।

आप सब इस कहानी के बारे में अपने ख्यालात इस कहानी के सम्पादक की ईमेल तक भेज सकते हैं।

अभी वाकिया बदस्तूर है।

avzooza@gmail.com

Other stories you may be interested in

बगल वाली प्यारी चुदासी आंटी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सौरभ है, मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक हूँ. मैं अन्तर्वासना की अधिकतर कहानियाँ पढ़ चुका हूँ। हर बार एक दर्शक की तरह इन कहानियों का आनंद उठाता रहता हूँ। लेकिन इस बार मैंने मेरी ज़िंदगी की [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी मामी की तड़पती जवानी-1

दोस्तो, मेरा नाम हैरी है, मेरी उम्र 20 साल है. यह कहानी जून 2017 में शुरू हुई जब मैंने अपनी बी.टेक. पढ़ाई पूरी करने के बाद एग्जाम दिए थे. मैं घर में फ्री रहता था. पेपर का रिजल्ट आने में [...]

[Full Story >>>](#)

चुदक्कड़ मैनेजर ने मुझको जिगोलो बना दिया

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरी यानि ऋषभ की तरफ से नमस्कार, मेरी उम्र 23 साल है और मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. मेरी हाइट 6 फुट है. ऊपर वाले की दुआ से अच्छा खासा लंबा-चौड़ा दिखता हूँ और [...]

[Full Story >>>](#)

हुस्न की जलन बनी चूत की अगन-4

लता भाभी को चोदते हुए मुझे लगभग 15 दिन हो गये थे तो इसकी भनक हेमा भाभी को लग गई थी. वह ऐसे हुआ कि एक रोज़ लता भाभी शनिवार को, जब मेरी छुट्टी होती थी, मेरे कमरे में ऊपर [...]

[Full Story >>>](#)

हुस्न की जलन बनी चूत की अगन-3

मेरा उत्तर सुनकर लता भाभी एकदम रोमांचित हो गई और मुझसे लिपट गई ; कहने लगी- देवर जी, यह मेरी खुशकिस्मती है कि आपका लंड फर्स्ट टाइम मेरी चूत में जाएगा और आप पहली बार मुझे चोदोगे. मैं लता भाभी को [...]

[Full Story >>>](#)

